बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (भागलपुर)

बिहार कौशल विकास मिशन योजना

वित्तीय वर्ष: 2024-25

परिचयः

- कौशल विकास योजना अन्तर्गत कृषि प्रक्षेत्र में राज्य में युवक-युवतियों के लिए कौशल ज्ञान की गुणवत्ता बढ़ाने तथा पेशेवर ज्ञान के विकास हेतु डोमेन एवं आर0पी0एल0 प्रशिक्षण का संचालन किया जा रहा है।
- विभिन्न पाठ्यक्रमों के अनुसार डोमेन प्रशिक्षण की अवधि 270-390 घंटे तक की है। प्रशिक्षण के लिए वैसे अभ्यर्थियों का चयन किया जाता है, जो कृषि प्रक्षेत्र में पूर्व से कौशल की जानकारी नहीं रखते है।
- आर0पी0एल0 प्रशिक्षण की कुल अवधि 60 घंटे की है। जिसके अन्तर्गत वैसे अभ्यर्थियों का चयन किया जाता है, जो पूर्व से संबंधित कृषि प्रक्षेत्र में कुशल जानकारी रखते हैं अथवा कार्य कर रहे है। इस प्रशिक्षण के माध्म से उनके कुशल ज्ञान की पहचान एवं प्रमाणन किया जाना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैः

- युवक एवं युवतियों को कृषि के क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण देकर कुशल तकनीकी एवं व्यावसायिक योग्यता-क्षमता का विकास करना।
- युवक एवं युवतियों को कृषि के क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षणोपरान्त रोजगार-स्वरोजगार सृजन कराना।
- राज्य में कुशल कामगारों का एक सतत् पूल विकसित करना ताकि आने वाले समय में औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सेवा प्रदाता के रूप में कार्य कर सके।
- आधारभूत संरचनाओं एवं विषेशज्ञों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देकर अद्यतन तकनीकी का ज्ञान का विकास करना।
- कृषि के क्षेत्र में उद्यमियों-किसानों के आमदनी में वृद्धि करना।

बिहार कौशल विकास मिशन योजना अन्तर्गत कौशल प्रशिक्षण

डोमेन प्रशिक्षण, अवधि– (लगभग 02 माह)

विषय का नाम	संस्थान का नाम
किसान ड्रोन ऑपरेटर	प्रसार शिक्षा निदेशालय, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर
सेवा और रख-रखाव तकनीशियन-फार्म मशीनरी	1. बिहार कृषि महाविद्यालय, सबौर 2. कृषि इंजीनियरिंग महाविद्यालय, आरा
सब्जी उत्पादक	बिहार कृषि महाविद्यालय, सबौर
मखाना उत्पादक-सह-प्रसंस्करणकर्त्ता	भोला पासवान शास्त्री कृषि महाविद्यालय, पूर्णियाँ
वर्मीकम्पोस्ट उत्पादक	1. डा. कलाम कृषि महाविद्यालय, किशनगंज 2. मंडन भारती कृषि महाविद्यालय, अगवानपुर, सहरसा 3. कृषि अनुसंधान संस्थान, पटना
कीटनाशक और उर्वरक अनुप्रयोगक	मंडन भारती कृषि महाविद्यालय, अगवानपुर, सहरसा
मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला तकनीशियन	डा. कलाम कृषि महाविद्यालय, किशनगंज
औषधीय एवं सुगंधित पौधे उत्पादन	1. नालंदा उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय, नालंदा 2. कृषि अनुसंधान संस्थान, पटना
पुष्पविज्ञानी (Floriculturist)	नालंदा उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय, नालंदा
ग्रीनहाउस संचालक	वीर कुँवर सिंह कृषि महाविद्यालय, डुमराँव
सूक्ष्म सिंचाई तकनीशियन	1. वीर कुँवर सिंह कृषि महाविद्यालय, डुमराँव 2. कृषि इंजीनियरिंग महाविद्यालय, आरा

आर.पी.एल., अवधि– (लगभग 08 दिन)

विषय का नाम	कृषि विज्ञान केंद्र का नाम
कृषि प्रसार सेवा प्रदाता	अररिया, भागलपुर, गया, किशनगंज एवं लखीसराय
मधुमक्खी पालक	अररिया, अरवल, औरंगाबाद, जहानाबाद, कटिहार, खगड़िया, मधेपुरा, मुंगेर, नालंदा, सहरसा, शेखपुरा, कैमुर, आरा (भोजपुर)
मखाना उत्पादक-सह-प्रसंस्करणकर्ता	सुपौल
उष्णकटिबंधीय-उपोष्णकटिबंधीय फल उत्पादक	बाँका, लखीसराय, पूर्णियाँ, भोजपुर (आरा)
वर्मीकम्पोस्ट उत्पादक	अरवल, औरंगाबाद, बाँका, भागलपुर, जहानाबाद, कटिहार, खगड़िया, किशनगंज, मधेपुरा, मुंगेर, नालंदा, पटना, पूर्णियाँ, रोहतास, सहरसा, शेखपुरा, कैमुर, सीतामढ़ी

नोट- विशेष जानकारी हेतु अपने निकटतम बिहार कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अंगीभूत कृषि महाविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों से सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है प्रसार शिक्षा निदेशालय, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर के ईमेल आई0डी0 ddtbausabour@gmail.com पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।